आरम्भ वर्ष - 2023
चातुर्मासिक - Tri-Annual

वर्ष - तृतीय
अङ्क - पञ्चम (अप्रैल - 2025)
ISSN - 3048-6319 (Online)

बुन्देलखण्ड विमर्श
BUNDELKHAND VIMARSH

(भारतीय ज्ञान परम्परा की सान्दर्भिक एवं पुनरीक्षित शोधपत्रिका)

(Refereed & Reviewed Research Journal of Indian Knowledge System)

प्रकाशक

संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति
॥ तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति
BARAUDI SANSKRITI SANSKRIT SANSKAR SHIKSHA SAMITI
ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.
Vill.- Barodi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia(Madhya Pradesh) Bharat,475686.
Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816,
Email:- sanskritsamiti17@gmail.com, Website:- www.sanskritsamiti.org

शोधपत्रिका विवरण :-

- शोधपत्रिका का नाम (हिन्दी में) - बुन्देलखण्ड विमर्श
- शोध पत्रिका का नाम (अंग्रेजी में) - BUNDELKHAND VIMARSH
- प्रकाशन का विषय क्षेत्र - बहुविषयक
- प्रकाशन की भाषा - बहुभाषिक
- आरम्भ वर्ष - 2023
- प्रकाशन अवधि - चातुर्मासिक (Tri-Annual)
- ISSN - 3048-6319
- प्रकाशन माध्यम - ऑनलाइन

अंक विवरण :-

- प्रकाशन वर्ष - तृतीय
- अङ्क - पञ्चम (अप्रैल - 2025)
- प्रकाशन तिथि - वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया)
- दिन - बुधवार
- विक्रम सम्वत् - २०८२
- प्रकाशन दिनांक - 30 अप्रैल 2025

सदस्यता विवरण :-

- वार्षिक सदस्यता - 1500/- रुपये मात्र
- एक अंक - 750/- रुपये मात्र

प्रकाशक विवरण :-

बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति

सम्पर्क सूत्र :-

ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.
Vill.- Barodi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia (Madhya Pradesh) Bharat, 475686.
Email :- sanskritsamiti17@gmail.com, Website :- www.sanskritsamiti.org
Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816.

प्रधान सम्पादक
डॉ. उपेन्द्र भार्गव

सम्पादक
डॉ. आनन्द प्रकाश शुक्ल

सह सम्पादक
डॉ. कपिल कुमार भार्गव, आकृति शर्मा, नीता शर्मा

-: सम्पादक मण्डल :-

प्रो. श्यामदेव मिश्र (उत्तर प्रदेश)
प्रो. प्रसाद गोखले (महाराष्ट्र)
प्रो. भरत कुमार पण्डा (उडीसा)
डॉ. नितिन जैन (नयी दिल्ली)
डॉ. कृष्णकान्त तिवारी (मध्य प्रदेश)
प्रो. नीलाभ तिवारी (मध्य प्रदेश)
प्रो. पराग जोशी (महाराष्ट्र)
डॉ. दिनेश रसाळ (महाराष्ट्र)
डॉ. रमण मिश्र (मध्य प्रदेश)
डॉ. ऋतु पल्लवी (नयी दिल्ली)

-: सहायक सम्पादक :-

डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी (मध्य प्रदेश)
डॉ. धनञ्जय मिश्र (जम्मू एवं कश्मीर)
डॉ. हिमांशु द्विवेदी (मध्य प्रदेश)
डॉ. नरेश शर्मा (हरियाणा)
डॉ. रामकुमारी (गुजरात)
डॉ. लवलेश मिश्र (मध्य प्रदेश)
डॉ. कृष्णकुमार भार्गव (आन्ध्र प्रदेश)
डॉ. मोहन बैरागी (मध्य प्रदेश)
डॉ. राकेश दास (पश्चिम बंगाल)
डॉ. लक्ष्मीविजयन् वी.टी. (केरल)
डॉ. मनोज शिंदे (आन्ध्र प्रदेश)
डॉ. गणेश प्रसाद मिश्र (असम)
डॉ. शमीनाज़ खान (हिमाचल प्रदेश)
डॉ. देशबन्धु (नयी दिल्ली)
डॉ. अवतारजीत सिंह (म.प्र.)
डॉ. पुष्पिन्दर जोशी (पंजाब)
डॉ. रूपाली सारये (मध्य प्रदेश)
डॉ. प्रभाकर पाण्डेय (मध्य प्रदेश)
डॉ. रमा आर्या (मध्य प्रदेश)
डॉ. अवधेश श्रोत्रिय (बिहार)
डॉ. दीपक पाठक (उत्तर प्रदेश)
डॉ. प्रियव्रत मिश्र (उत्तर प्रदेश)
डॉ. अखिलेश्वर मिश्र (तमिलनाडु)
डॉ राकेश जैन (राजस्थान)
डॉ.विजयानन्द अडिगा(कर्णाटक)
श्रीमती शिरीन कुरैशी (मध्यप्रदेश)

प्रबन्धन एवं तकनीकि सम्पादक

विवेक कुमार शर्मा
राज भार्गव

सम्पादकीय

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि
बरनऊँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि।
बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन कुमार
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार॥

भारतीय ज्ञान परम्परा असीम और अनन्त है, जिसकी जड़ें प्राचीनतम काल से आधुनिक युग तक फैली हुई हैं। यह केवल बौद्धिक विमर्श तक सीमित न होकर लोकजीवन में गहराई से व्याप्त है। 'बुन्देलखण्ड विमर्श' इसी समृद्ध परम्परा के अनुसंधान, विश्लेषण और संरक्षण का एक विनम्र प्रयास है। यह शोधपत्रिका भारतीय ज्ञान परम्परा, शास्त्र शिक्षण, संस्कृति, कला तथा मानविकी के विविध पक्षों पर गम्भीर एवं मौलिक शोध को प्रोत्साहित करती है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र का ऐतिहासिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक वैभव सदियों से शोध और चिंतन का केंद्र रहा है। यह पत्रिका इसी विमर्श को आगे बढ़ाने हेतु एक सेतु का कार्य कर रही है।

वर्तमान युग में वैश्वीकरण और आधुनिकता के प्रभावों के बीच हमारी परम्पराएँ एवं प्राचीन ज्ञान-परम्पराएँ भी नवचिन्तन एवं पुनर्पाठ की अपेक्षा रखती हैं। यह पत्रिका इस दायित्व का निर्वहन करने हेतु संस्कृत, हिंदी एवं अंग्रेजी तीनों भाषाओं में शोधकर्ताओं, विद्वानों एवं जिज्ञासुओं को एक सशक्त मंच प्रदान करती है। इस अंक में प्रकाशित शोधपत्र विभिन्न विषयों की गहराई में उतरते हुए भारतीय ज्ञान की विविध धाराओं को प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे हैं। हम अपने सभी लेखकों, समीक्षकों और पाठकों के प्रति कृतज्ञ हैं, जिनकी सहभागिता और सहयोग से 'बुन्देलखण्ड विमर्श' का यह अंक प्रकाशित हो रहा है।

यह भी सौभाग्य का अवसर है कि प्रस्तुत अंक का प्रकाशन भगवान् परशुराम की जन्म जयन्ती के अवसर पर वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) के दिन किया जा रहा है जो कि गौरव का विषय है। हम आशा करते हैं कि यह शोधपत्रिका विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बनेगी और भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन एवं अनुशीलन को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

डॉ. उपेन्द्र भार्गव

(प्रधान सम्पादक)

वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया)
बुधवार, वि.सं. २०८२,
३० अप्रैल २०२५

अनुक्रमणिका

		पृ. क्र.
1.	**कृभ्वस्तियोगे सम्पद्यकर्तरि च्विः इति सूत्रस्य प्रदीपन्यासदृष्ट्या विमर्शः** अनुपदीपः, प्रो.भारतभूषणत्रिपाठी	1 - 5
2.	**चार्वाकदर्शनं भारतीयज्ञानपरम्परा च एकं समीक्षणात्मकं विश्लेषणम्** प्रलय शंकर अधिकारी	6 - 14
3.	**संस्कृतशास्त्रशिक्षणविधयः** सस्मिता खण्डुआल, डॉ. एस. एल. सीताराम शर्मा	15 - 22
4.	**गांधीवादी सर्वोदय दर्शन: सामूहिक विकास के लिए आधुनिक कार्यस्थलों की पुनर्कल्पना** डॉ. शिलादित्य वर्मा, डॉ. अमित कुमार तिवारी	23 - 29
5.	**झारखंड प्रदेश में मुण्डारी भाषा और प्रकृति-गीत** डॉ॰ पुष्पा कुमारी	30 - 37
6.	**भारतीय ज्ञान परम्परा में दैवी-सम्पदा का स्वरुप : एक विवेचन** डॉ. संदीप ठाकरे, डॉ. हरेराम पाण्डेय	38 - 47
7.	**श्रीमद्भगवद्गीता में मानसिक स्वास्थ्य की संकल्पना : एक गवेषणात्मक अनुशीलन** प्रो. (डॉ.) जितेंद्र कुमार शर्मा	48 - 59
8.	**वर्तमान शिक्षा पद्धति में योग शिक्षा की उपादेयता (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में)** डॉ. अरुण कुमार साव	60 - 69
9.	**शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता का प्रभाव : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में** डॉ. प्रभाकर पाण्डेय	70 - 79
10.	**महर्षि दयानन्द सरस्वती का शिक्षा दर्शन** डॉ पुष्पिन्दर जोशी	80 - 90
11.	**भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति : एक चिंतन** डॉ अनीता अग्रवाल	91 - 96

12. **वैदिक शिक्षा प्रणालीः सिद्धांत, विधियाँ, समाजिक प्रभाव और उनका ऐतिहासिक विश्लेषण** 97 - 104
प्रशान्त कुमार द्विवेदी, डॉ. खुशबू ठाकुर

13. **रामायण से संदर्भित नगरवासिनी और लंकावासिनी महिलाओं के चरित्र का सामाजिक एवं सांस्कृतिक विश्लेषण** 105 - 112
शीतल अहिरवार

14. **भारतीय ज्ञान परंपराओं का लोक साहित्य में अवदान** 113 - 118
डॉ. निर्मला शुक्ला

15. **बुन्देलखण्ड में राम** 119 - 124
विनोद मिश्र 'सुरमणि'

16. **ANCIENT CONCEPT OF DIET IN HEALTH** 125 - 131
Dr. K . Narayanan

17. **Ancestral Roots and Future-Facing Skills: A Vedic Blueprint for Resilient Education Systems** 132 - 145
Dr. Kapildev H. Shastri & Dr. Bhavin C. Chauhan

18. **Budget 2025-26 and Enterprenureship In India** 146 - 152
Dr Rajeev Kumar Upadhyay

19. **संस्कृतकाव्यशास्त्रदिशा काव्यस्वरूपविषयक एक अनुचिन्तन** 153 - 162
डॉ. राकेश कुमार जैन